# Syllabus
# For
# 3Year B.A. Hindi (Honours& Generic)

Under Choice Based Credit System (CBCS)

PREPARED IN 2019: EFFECTIVE FROM THE ACADEMIC SESSION 2019-2020

## Department of Hindi

Raja N. L. Khan Women's College (Autonomous)
Gope Palace
Midnapore
PaschimMedinipur, West Bengal
PIN – 721102

Division of Marks

Total marks: - 1900

| Semester | Marks |
|---|---|
| 1 | 275 |
| 2 | 325 |
| 3 | 350 |
| 4 | 350 |
| 5 | 300 |
| 6 | 300 |
| Total | 1900 |

## Structure of Syllabus

### Semester - 1

(Duration: July to December)

| Course Type | Subject | Paper | Credit | Marks Exam+CA+A | Class Hours |
|---|---|---|---|---|---|
| Core 1 | Hindi Honours | हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीति काल तक) | 6 | 75 (60+10+5) | 75 |
| Core 2 | Hindi Honours | हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) | 6 | 75 (60+10+5) | 75 |
| Generic 1 | To be decided | आधुनिक भारतीय साहित्य | 6 | 75 (60+10+5) | 75 |
| AECC 1 | Eng/ MIL | हिंदी व्याकरण और संप्रेषण | 2 | 50 (40+10) | 40 |
| Total | | | 20 | 275 | |

**Semester - 2**

(Duration: January to June)

| Course Type | Subject | Paper | Credit | Marks | Class Hours |
|---|---|---|---|---|---|
| Core 3 | Hindi Honours | आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता | 6 | 75 (60+10+5) | 75 |
| Core 4 | Hindi Honours | आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक) | 6 | 75 (60+10+5) | 75 |
| Generic 2 | To be decided | संपादन प्रक्रिया और साज-सज्जा | 6 | 75 (60+10+5) | 75 |
| AECC 2 | ENVS | | 4 | 100 (80+20) | |
| | | | 22 | 325 | |

**Semester - 3**

(Duration: July to December)

| Course Type | Subject | Paper | Credit | Marks | Class Hours |
|---|---|---|---|---|---|
| Core 5 | Hindi Honours | छायावादोत्तर हिंदी कविता | 6 | 75 (60+10+5) | 75 |
| Core 6 | Hindi Honours | भारतीय काव्य शास्त्र | 6 | 75 (60+10+5) | 75 |
| Core 7 | Hindi (Hons) | पाश्चात्य काव्यशास्त्र | 6 | | 75 |
| Generic 3 | To be decided | सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र | 6 | 75 (60+10+5) | 75 |
| SEC 1 | | Computer | 2 | 50 (40+10) | 40 |

## Semester – 4
(Duration:January to June)

| Course Type | Subject | Paper | Credit | Marks | Class Hours |
|---|---|---|---|---|---|
| Core 8 | Hindi Honours | भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा | 6 | 75 (60+10+5) | 75 |
| Core 9 | Hindi Honours | हिंदी उपन्यास | 6 | 75 (60+10+5) | 75 |
| Core 10 | Hindi (Hons) | हिंदी कहानी | 6 | 75 (60+10+5) | 75 |
| Generic-4 | To be decided | हिंदी की सांस्कृतिक पत्रकारिता | 6 | 75 (60+10+5) | 75 |
| SEC 2 | Hindi (H) | साहित्य और हिंदी सिनेमा | 2 | 50 (40+10) | 30 |

## Semester – 5
(Duration:July to Dec.)

| Course Type | Subject | Paper | Credit | Marks | Class Hours |
|---|---|---|---|---|---|
| Core 11 | Hindi Honours | हिंदी नाटक एवं एकांकी | 6 | 75 (60+10+5) | 75 |
| Core 12 | Hindi Honours | हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं | 6 | 75 (60+10+5) | 75 |
| DSE 1 | Hindi (Hons) | अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य | 6 | 75 (60+10+5) | 75 |
| DSE 2 | Hindi (H) | छायावाद | 6 | 75 (60+10+5) | 75 |

**Semester – 6**
(Duration:January to June)

| Course Type | Subject | Paper | Credit | Marks | Class Hours |
|---|---|---|---|---|---|
| Core 13 | Hindi Honours | हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता | 6 | 75 (60+10+5) | 75 |
| Core 14 | Hindi Honours | प्रयोजनमूलक हिंदी | 6 | 75 (60+10+5) | 75 |
| DSE 3 | Hindi (Hons) | तुलसीदास | 6 | 75 (60+10+5) | 75 |
| DSE 4 | Hindi (H) | प्रेमचंद | 6 | 75 (60+10+5) | 75 |

# Outcome of the Academic Programme on

## 3-year B.A. in HINDI

**1.**विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास से परिचित होने में सक्षम होंगे I एक विस्तृत जानकारी को काल विभाजन के माध्यम से व्यवस्थित तरीके से जानसकते हैं I

आदि काल, भक्ति काल और रीति काल के संबंध में कुछ विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथा उनके रचनाकारों के संक्षिप्त परिचय से परिचित हो सकते हैं I

**2**. हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल को ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में तथा नवजागरण के तथ्यों के आलोक में समझा जा सकता हैं I विद्यार्थी भारतेन्दु युग,द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद से लेकर समकालीन हिंदी साहित्य का संक्षिप्त परिचय प्राप्त करने में सक्षम होंगे I

3. आदिकालीन एवं मध्यकालीन कवियों, जैसे विद्यापति, कबीर, रहीम, सूरदास, तुलसीदास, जायसी जैसे कवियों से परिचित होने के बाद उनकी कविताओं का अध्ययन आलोचनात्मक तरीके से कर सकेंगे I इसी तरह आगे आधुनिक हिंदी कविताओं में भारतेंदु हरिश्चंद्र, और छायावाद के कवियों को पढ़कर जीवन के शाश्वत- मूल्यों को समझेंगे I

4. हिंदी की श्रेष्ठ कविताओं, कहानियों, उपन्यासों और नाटकों द्वारा विद्यार्थियों में मानवीय संवेदना का विकास होता है I इस अध्ययन के दौरान विद्यार्थी जान सकते हैं कि हिंदी के विशाल साहित्य ने समाज के नवजागरण में कितनी अहं भूमिका निभाई है और आज भी यथावत् वह अपनी जगह प्रासंगिक बना हुआ है

5. विमर्शवादी आलोचना द्वारा बच्चे नवीनतम एवं प्रगतिशील विचारधारा को सामाजिक मूल्यों के संदर्भ में जानेंगे I

6. साथ ही हिंदी को कार्यालय एवं अनुवाद के कामकाजी रूप को जानने के बाद विद्यार्थी उसके प्रयोजनमूलक रूप से परिचित होंगे I

7. हिंदी साहित्य को सिनेमा जगत ने अपने उद्योग से जोड़ कर समाज में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, बच्चे साहित्य के इस ज्ञान द्वारा नवीनतम प्रयोग की ओर अग्रसर हो सकते हैं I पत्रकारिता के रूप में हिंदी की भूमिका से परिचित होने का भी अवसर प्राप्त होगा I

## Syllabus in Details

### Semester 1

### Core Course 1हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

*Unit 1*आदिकाल: सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ

सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य

रासो काव्य, लौकिक साहित्य

*Unit 2*भक्तिकाल: सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ

संत काव्य, सूफी काव्य, रामकाव्य, कृष्णकाव्य

*Unit 3*: रीतिकाल: सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ

रीतिबद्ध, रीति सिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा

### Core Course 2 हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

*Unit1*राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

हिंदी नवजागरण

भारतेन्दु युग

द्विवेदी युग

*Unit 2*छायावाद

प्रयोगवाद

प्रगतिवाद

नई कविता

समकालीन कविता

*Unit 3*हिंदी गद्य का विकास: स्वतंत्रता पूर्व हिंदी गद्य

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य

**सहायक ग्रंथ:**

आचार्य रामचंद्र शुक्ल - हिंदी साहित्य का इतिहास

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी - हिंदी साहित्य: उद्भव और विकास

डॉ. बच्चन सिंह -आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

विश्व नाथ प्रसाद मिश्र - हिंदी साहित्य का अतीत (दो भागों में)

शिव कुमार मिश्र- भक्ति काव्य और लोकजीवन

रामविलास शर्मा - लोक जागरण और हिंदी साहित्य

## Semester 2

## Core Course 3आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता

*Unit1*विद्यापति:I

. नव वृंदावन नव नव तरुगन, II. सखि हे हमर दुखक नहिं ओर III.माधव बहुत मिनती कर तोय IV. सखि हे कि पुछसि अनुभव मोए V. सैसव, जौवन दुई मिल गेल

कबीर :राम मोहि मारिहि कहां लै जइहै?

अकथ कहानी प्रेम की

अरे इन दोउन राह न पाइ

संतो भाई आई ग्यान की आंधी रे

साधो देखो जग बौराना

जायसी:

*Unit2* सूरदास : अविगत गति कछु कहत न आवै

किलकत कान्ह घुटरूवनि आवत

जसोदा हरि पालन झुलाने

खेलत में को काको गुसैया

आयो घोष बड़ो व्यापारी

तुलसीदास: विनय पत्रिका

ऐसी मूढ़ता या मन की, जाऊँ कहाँ तजि चरन तिहारे, ऐसो को उदार जग माहि, अब लौं नसानी, अब न नसैहौं, माधव मो समान जग माही I

रहीम: - रहिमन पानी राखिये, तरूवर फल नहीं खात है

चंदन विष व्यापत नहीं, रहीमन धागा प्रेम का

छिमा बड़न को चाहिए, बड़े बड़ाई न करें

रहीमन देखी बड़ेन को , प्रेम पंथ ऐसो कठिन

अंजन दियो तो किरकिरी, दीन सबन को लखत है

मीराबाई:

बसो मेरे नैनन में नंदलाल

चलो मन गंगा जमना तीर

हेरी मैं तो प्रेम दिवाली

भज मण चरन कंवल अविनाशी

अखियां कृष्ण मिलन को प्यासी

*Unit 3* बिहारी:

मेरी भव बाधा हरौ , तो पर वार उरबसी , कहत नटत रीझत खीझत, बतरस लालच लाल की, कोटि जतन कोउ करै, नहिं पराग नहिं मधुर मधुर, कब को टेरत दीन रट, या अनुरागी चित्त की गति, जप माला छापे तिलक, दृग उरझत टूटत कुटूम I

घनानंद:

रावरे रूप की रीति अनूप

अति सुधो सनेह को मारग है

झलकै अति सुंदर आनन गौर

हीन भएं जल मीन अधीन

चातक चहुल चहूं ओर

रसखान:

मानुष हो तो वही रसखान

शेष, गणेश, महेश, दिनेश

या लकुटी अरू कामरिया पर

धूरि भरे अति शोभित स्यामजू

मोर पखा सिर ऊपर राखियो

## सहायक ग्रंथ:

श्यामसुंदर दास - कबीर ग्रंथावली

आचार्य रामचंद्र शुक्ल (संपादक)- जायसी ग्रंथावली

वासुदेव सिंह - कबीर

हजारी प्रसाद द्विवेदी- कबीर

राम पूजन तिवारी- जायसी

नित्यानंद तिवारी - जायसी का काव्य

रामविलास शर्मा - लोक जागरण और हिंदी साहित्य

आचार्य रामचंद्र शुक्ल - गोस्वामी तुलसीदास

रमेश कुंतल मेघ – तुलसी: आधुनिक वातायन

विजयदेव नारायण साही- जायसी

शिवकुमार मिश्र - भक्ति काव्य और लोकजीवन

श्री कृष्ण लाल- मीराबाई

विश्वनाथ तिवारी- मीरा का काव्य

आचार्य रामचंद्र शुक्ल -सूरदास

विश्वनाथ प्रसाद मिश्र - घनानंद

## Core Course 4: आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

Unit 1 **भारतेंदु**:*मातृभाषा, भारत दुर्दशा*

**अयोध्या सिंह उपाध्याय "हरिऔध"**- प्रियप्रवास (प्रथम सर्ग)

**मैथिली शरण गुप्त**– साकेत (नवम सर्ग)

Unit2 **जयशंकर प्रसाद**- लहर उठ उठ री लघु लघु,मधुप गुनगुना कर, हिमाद्री तुंग शृंग से, ले चल वहाँ भुलावा देकर

**निराला**: बादल राग 1, संध्या सुंदरी, स्नेह निर्झर बह गया है, वह तोड़ती पत्थर.

Unit 3 **पंत**: प्रथम रश्मि, ताज, भारत माता, मौन निमंत्रण

**महादेवी वर्मा**:मै नीर भरी दुख की बदली, विरह का जलजात, पंथ होने दो अपरिचित, कह दे माँ अब क्या देखूँ

**सहायक ग्रंथ:**

नगेंद्र- मैथिलीशरण गुप्त पुनर्मूल्यांकन

मुक्तिबोध- कामायनी: एक पुनर्विचार

नंददुलारे वाजपेई- जयशंकर प्रसाद

रमेशचंद्र शाह- छायावाद की प्रासंगिकता

कल्याणमल लोढ़ा (संपादक)- कामायनी

रामविलास शर्मा- निराला की साहित्य साधना

नामवर सिंह - छायावाद

नामवर सिंह - कविता के नए प्रतिमान

# Semester 3

## Core Course 5:छायावादोत्तर हिंदी कविता

1.केदारनाथ अग्रवाल:बसंती हवा, कंचन किरणें

2. नागार्जुन:शासन की बंदूक, बादल को घिरते देखा है, कालिदास सच सच बतलाना, मनुष्य हूँ

3.रामधारी सिंह दिनकर: कुरुक्षेत्र (तृतीय सर्ग)

4.माखनलाल चतुर्वेदी:

5.अज्ञेय: यह दीप अकेला, सांप, हरी घास पर क्षण भर, हिरोशिमा

6.भवानी प्रसाद मिश्र: कठपूतली, सन्नाटा, श्रम की महिमा

7.रघुवीर सहाय: हँसो हँसो जल्दी हंसो,रामदास

8.सर्वेश्वर दयाल सक्सेना: तुम्हारे साथ रहकर, काठ की घंटियाँ, प्रार्थना-1,लीक पर वे चले

9.गिरिजा कुमार माथुर:आदमी का अनुपात, पंद्रह अगस्त, दो पाटों की दुनियाँ

**सहायक ग्रंथ:**

रामस्वरूप चतुर्वेदी- अज्ञेयऔर आधुनिक रचना की समस्या

## Core Course 6 .भारतीय काव्य शास्त्र

काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन.

रस सिद्धांत - रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण

ध्वनि सिद्धांत- ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि का वर्गीकरण

अलंकार सिद्धांत- अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार सिद्धांत एवं अन्य सम्प्रदाय

रीति सिद्धांत- रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण

वक्रोक्ति सिद्धांत - वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद

औचित्य सिद्धांत- औचित्य की अवधारणा

हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास- सामान्य परिचय

**सहायक ग्रंथ:**

## Core Course 7पाश्चात्यकाव्य शास्त्र

**प्लेटो:** काव्य संबंधी मान्यताएँ

**अरस्तू** - अनुकृति एवं विरेचन

**लोंजाइनस-** काव्य में उदात्त की अवधारणा

**वर्ड्सवर्थ -** काव्य भाषा का सिद्धांत

**कॉलरिज-** कल्पना और फैन्टेसी

**क्रोचे-** अभिव्यंजनावाद

**टी. एस. इलियट** - परंपरा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत नई समीक्षा

मार्क्सवादी समीक्षा

शास्त्रीयतावाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, शैली विज्ञान

आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता एवं औपनिवेशिकता, संरचनावाद

**सहायक ग्रंथ:**

## Semester 4

## Core Course 8:भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा

भाषा:परिभाषा, विशेषताएं, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली I

भाषा विज्ञान: परिभाषा, अंग, भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध I

स्वनिम विज्ञान: परिभाषा, स्वन, वागीन्द्रियां, स्वनों का वर्गीकरण - स्थान और प्रयत्न के आधार पर. स्वन परिवर्तन के कारण I

रूपिम विज्ञान- शब्द और रूप(पद), पद विभाग- नाम, आख्यात, उपसर्ग और निपात I

वाक्य विज्ञान:- वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्त्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण I

अर्थ विज्ञान- शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएं I

अपभ्रंश, राजस्थानी, अवधी, ब्रज तथा खड़ीबोली की सामान्य विशेषताएंI

राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं सम्पर्क भाषा के रूप में हिंदी I

देवनागरी लिपि की विशेषताएं एवं सुधार के प्रयास I

**सहायक ग्रंथ:**

रामविलास शर्मा - भाषा और समाज

रामविलास शर्मा - भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिंदी

भोलानाथ तिवारी - हिंदी भाषा का इतिहास

भोलानाथ तिवारी - भाषा विज्ञान

भोलानाथ तिवारी - हिंदी भाषा की संरचना

सुनीति कुमार चटर्जी - भारतीय आर्य भाषा और हिंदी

उदय नारायण तिवारी - हिंदी भाषा का उद्भव और विकास

## Core Course: 9 हिंदी उपन्यास

गबन - प्रेमचंद

त्यागपत्र - जैनेन्द्र कुमारमृगनयनी- वृन्दावन लाल वर्मा

मानस का हंस- अमृतलाल नागर

महाभोज- मन्नू भंडारी

## Core Course:10 हिंदी कहानी

उसने कहा था- चंद्रधर शर्मा गुलेरी

पूस की रात- प्रेमचंद

आकाशदीप - जयशंकर प्रसाद

हार की जीत- सुदर्शन

पाजेब- जैनेंद्र कुमार

तीसरी कसम- फणीश्वरनाथ 'रेणु '

मिस पाल- मोहन राकेश

परिन्दे -निर्मल वर्मा

दोपहर का भोजन- अमरकांत

सिक्का बदल गया- कृष्णा सोबती

पिता – ज्ञानरंजन

## Semester 5

## Core Course:11 हिंदी नाटक एवं एकांकी

Unit 1 नाटक

अंधेर नगरी - भारतेन्दु हरिश्चंद्र

स्कन्दगुप्त- जयशंकर प्रसाद

आषाढ़ का एक दिन ,

माधवी- भीष्म साहनी

Unit2 एकांकी

औरंगजेब की आखिरी रात -राम कुमार वर्मा

विषकन्या - गोविन्द बल्लभ पंत

और वह जा न सकी -विष्णु प्रभाकर

भोर का तारा -जगदीश चंद्र माथुर

## Core Course:12हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं

सरदार पूर्ण सिंह - मजदूरी और प्रेम

रामचंद्र शुक्ल -करुणा

हजारी प्रसाद द्विवेदी- देवदारु

विद्यानिवास मिश्र - मेरे राम का मुकुट भींग रहा है

शिवपूजन सहाय - महाकवि जयशंकर प्रसाद

रामवृक्ष बेनीपुरी - रजिया

डॉ. नगेन्द्र - दादा स्वर्गीय बाल कृष्ण शर्मा 'नवीन'

माखनलाल चतुर्वेदी- तुम्हारी स्मृति

विष्णुकांत शास्त्री - ये हैं प्रोफेसर शशांक

## Semester 6

## Core Course:13 हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता

साहित्यिक पत्रकारिता: अर्थ, अवधारणा और महत्व.

भारतेंदुयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता: परिचय और प्रवृत्तियाँ

प्रेमचंद और छायावादयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ

स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता: परिचय और प्रवृत्तियाँ

समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ

साहित्यिक पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका I

महत्वपूर्ण पत्र पत्रिकाएं, बनारस अखबार, भारत मित्र हिंदी प्रदीप, हिन्दोस्थान, आज, स्वदेश, प्रताप कर्मवीर, विशाल भारत तथा जनसत्ता.

## Core Course:14प्रयोजनमूलक हिंदी

मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिंदी

संपर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी ,बोलचाल की सामान्य हिंदी, मानक हिंदी और साहित्यिक हिंदी, संविधान में हिंदी I

हिंदी की शैलियां: हिंदी उर्दू और हिंदुस्तानी I

हिंदी भाषा का उद्भव और विकासI

हिंदी का मानकीकरण I

हिंदी के प्रयोग क्षेत्र : भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता प्रकार और शैली I

प्रयोजनमूलक हिंदी केप्रमुख प्रकार : कार्यालयी हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण ,वैज्ञानिक हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण,व्यवसायिक हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण, संचार माध्यम ( आकाशवाणी दूरदर्शन चलचित्र) की हिंदी और उसके प्रमुख लक्षणI

भाषा व्यवहार : सरकारी पत्राचार , टिप्पणी तथा मसौदा लेखन, सरकारी अथवा व्यवसायिक पत्र लेखन I

हिंदी में पारिभाषिक शब्द निर्माण प्रक्रिया एवं प्रस्तुति I

# B.A. (Honours) AECC

## हिंदी भाषा और संप्रेषण

भाषा की परिभाषा प्रकृति एवं विविध रूप

हिंदी भाषा की विशेषताएं : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम , विश्लेषण एवं अव्यय संबंधी ।

हिंदी की वर्ण व्यवस्था- स्वर एवं व्यंजन ।

स्वर के प्रकार-ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त ।

व्यंजन के प्रकार: स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष।

वर्ण का उच्चारण स्थान : कण्ठ्य, तालव्य, मूर्द्धन्य,दन्त्य, ओष्ठ्य तथा दन्तोष्ठ्य

बलाघातसंगम अनुतान तथा संधि

भाषा संप्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन।

## B.A. HINDI (Honours) Skill Enhancement Course 2

## SEC 2: साहित्यऔर हिंदी सिनेमा

Unit1 सिनेमा और समाज: विश्व में सिनेमा का उदय, मध्यवर्ग, आधुनिकता और सिनेमा, मनोरंजन माध्यमों का जनतंत्रीकरण औरसिनेमा, सिनेमा और समाज, सिनेमा की सामाजिक भूमिका,सिनेमा: कलाया मनोरंजन ,मनोरंजन माध्यमों की राजनीति, साहित्य और सिनेमा, प्रमुख सीने सिद्धांत ।

Unit 2 सिनेमा का तकनीकी पक्ष : फिल्म निर्माण की प्रक्रिया , सिनेमा : सृजन की सामूहिकता, सिनेमा की भाषा ,निर्देशन ,पटकथा ,छायांकन, सिने संगीत, अभिनय और संपादन , सेंसर बोर्ड ,सिनेमा का वितरण और व्यवसाय , सिनेमाघर।

Unit 3 हिंदी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास : प्रारंभिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रता आंदोलन और हिंदी सिनेमा ,भारतीय मध्यवर्गऔरहिंदी सिनेमा,भारतीय लोकतंत्र और हिंदी सिनेमा, सिनेमामें भारतीय समाज का यथार्थ,सिनेमाई यथार्थवाद और समानान्तर सिनेमा , भूमंडलीकरण बाजारवाद और हिंदी सिनेमा , बाल फिल्में , तकनीकी क्रांति और हिंदी सिनेमा।

Unit4 :साहित्य और सिनेमा: अंतर्संबंध, सिनेमा और उपन्यास, संवेदना का रूपांतरण और तकनीक ।

फिल्म समीक्षा:

आरंभ से 1947: राजा हरिश्चंद्र , अछूत कन्या, अनमोल घड़ी, देवदास ।

1947 से 1970 :मदर इंडिया, दो आंखें बारह हाथ, तीसरी कसम, नया दौर ।

1970 से 1990 :गर्म हवा, बॉबी, शोले, आंधी।

1990 से अद्यतन: तारेजमीं पर,थ्रीईडियट्स ,दिलवाले दुल्हनिया ले जायेंगे, मुन्ना भाई एमबीबीएस., पान सिंह तोमर, मैरी कॉम।

## DSE Course 2

## छायावाद

जयशंकर प्रसाद- आंसू , बीती विभावरी जाग री

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला- राम की शक्ति पूजा, कुकुरमुत्ता

सुमित्रानंदन पंत- प्रथम रश्मि, परिवर्तन

महादेवी वर्मा - मैं नीर भरी दुख की बदली , कह दे मां अब क्या देखूं

## DSE Course 3

# तुलसीदास

रामचरितमानस - अयोध्याकांड-(दोहा संख्या 67 से 185 तक) गीता प्रेस, गोरखपुर

कवितावली – ( उत्तरकांड 30 पद संख्या 29, 35, 37,44 ,45,60, 67, 73, 74 ,84, 88,89, 102,103, 108 ,119 ,122, 126, 132, 134, 136, 140, 141,146, 153 ,155 ,161 ,165,182, 229) गीता प्रेस गोरखपुर

गीतावली-( बालकांड 20 पद) पद संख्या-
7,8,9,10,18,24,26,31,33,36,44,73,95,97,101,104,105,106,107,110 गीता प्रेस, गोरखपुर

विनय पत्रिका (40 पद) पद संख्या
1,5,17,30,36,41,45,72,78,79,85,89,90,94,100,101,102,103,104,105,111, 113,114,115,121,159,160,164,165,166,167,182,201,269,272) गीता प्रेस , गोरखपुर

## DSE Course 4

# प्रेमचंद

उपन्यास - सेवासदन

नाटक - कर्बला

निबंध -साहित्य का उद्देश्य

कहानियां- पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी, पंच परमेश्वर , ईदगाह, दो बैलों की कथा

## B.A. (Honours) HINDI

## Generic Elective Course (GEC) 1

### आधुनिक भारतीय साहित्य

स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण तथा उसका भारतीय साहित्य पर प्रभाव

भारतीय साहित्य और राष्ट्रीयता

मार्क्सवाद एवं अस्तित्ववाद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव

पाठ्यपुस्तकें (उपन्यास) –

संस्कार – यू. आर. अनंतमूर्ति

जंगल के दावेदार - महाश्वेता देवी

आठ गुणाछः भाग- फकीर मोहन सेनापति

## Generic Elective Course (GEC) 2

### संपादन प्रक्रिया और साज सज्जा

संपादन: अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत तत्व, निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ, समाचार विश्लेषण, संपादन कला के सामान्य सिद्धांत

संपादक और उपसंपादक: योग्यता, दायित्व और महत्व

समाचार मूल्य, लीड, आमुख, शीर्षक-लेखन आदि प्रत्येक दृष्टि से चयनित सामग्री का मूल्यांकन और संपादन

संपादन चिन्ह और वर्तनी पुस्तिका । प्रिंट मीडिया की प्रयोजनपरक शब्दावली।

संपादकीय लेखन : प्रमुख तत्व एवं प्रविधि । संपादकीय का सामाजिक प्रभाव।

समाचार पत्र और पत्रिका के विभिन्न स्तंभों की योजना और उनका संपादन।

साहित्य और कला जगत की सामग्री के संपादन की विशेषताएं।

छायाचित्र , कार्टून , रेखाचित्र , ग्राफिक्स आदि का संपादन।

हिंदी के राष्ट्रीय और प्रांतीय समाचार पत्रों की भाषा , आंचलिक प्रभाव और वर्तनी की समस्याएं।

साज सज्जा और तैयारी : ग्राफिक्स और आकल्पन के मूलभूत सिद्धांत । मुद्रण के तरीके , दैनिक समाचार पत्र का पृष्ठ – निर्माण (डमी ), पत्रिका की साज सज्जा, रंग संयोजन।

## Generic Elective Course (GEC) 3

## सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

रिपोर्ताज : अर्थ, स्वरूप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप , रिपोर्ताज और फीचर लेखन- प्रविधि।

फीचर लेखन: विषय – चयन, सामग्री निर्धारण, लेखन- प्रविधि।

सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक ,विज्ञान ,पर्यावरण, खेलकूद से संबंधित विषयों पर फीचर लेखन।

साक्षात्कार (इंटरव्यू /भेंटवार्ता ): उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार- प्रविधि , महत्व।

स्तंभ लेखन: समाचार पत्र के विविध स्तंभ, स्तंभ लेखन की विशेषताएं , समाचार पत्र और सावधि पत्रिकाओं के लिए समसामयिक, ज्ञानवर्धक और मनोरंजक सामग्री का लेखन । सप्ताहांत अतिरिक्त सामग्री और परिशिष्ट।

दृश्य-सामग्री (छायाचित्र, कार्टून, रेखा चित्र , ग्राफिक्स आदि ) से संबंधित लेखन।

बाजार, खेलकूद , फिल्म , पुस्तक और कला समीक्षा।

आर्थिक पत्रकारिता , खेल पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता ,फोटो पत्रकारिता।

## Generic Elective Course (GEC) 4

## हिंदी की सांस्कृतिक पत्रकारिता

सांस्कृतिक पत्रकारिता : अवधारणा ,अर्थ और महत्व । परंपरागत, आधुनिक और उत्तर आधुनिक समाज । संस्कृति, लोक संस्कृति , लोकप्रिय संस्कृति और अप-
संस्कृति। बाजार, संस्कृति और संचार माध्यम।

सांस्कृतिक संवाद : अर्थ, भेद और विशेषताएं । सांस्कृतिक संवाददाता की योग्यताएं : आस्वादन,अन्वीक्षण ,कल्पनाशीलता आदि । सांस्कृतिक संवाद के क्षेत्रों का परिचय -मंचकला ,पर्यटन, पुरातत्व, संग्रहालयआदि ।

मंचकला और पत्रकारिता : रंगमंच, संगीत- गायन, वादन ( तालवाद्य, यंत्रवाद्य) और नृत्य के कार्यक्रम, संवाद लेखन और समीक्षा ।
चित्रकला (पेंटिंग, ग्राफिक,टेक्सटाइल
डिजाइन), शिल्प-कला, स्थापत्य- कला के कार्यक्रम : संवाद लेखन और समीक्षा।

पर्यटन पत्रकारिता - प्रमुख धार्मिक स्थलों , स्मारकीयऔर प्राकृतिक संपदा का परिचय । संवाद लेखन औरसमीक्षा ।

छायाचित्र (फोटोग्राफी) और चित्र पत्रकारिता : जनसंचार माध्यम के रूप में छायाचित्र । छायाचित्र लेने के तरीके, उपकरण और प्रयोग की विधि।

चित्र पत्रकारिता : सिद्धांत और व्यवहार , चित्र संपादन, सचित्र रूपक (फीचर), प्रदर्शनी ।

चलचित्र (छायाछवि/ फिल्म) पत्रकारिता : संचार माध्यम के रूप में फिल्म और वीडियो , लघुफिल्म, वृत्तचित्र, धारावाहिक : परिचय और विकास, फिल्म पृष्ठ का आकल्पनऔर अभिविन्यास ।